website: www.pawanprawah.com
लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
पवन प्रवाह
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17
सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह
e-mail:pawanprawah@gmail.com
शुभ दीपावली

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

(भाग-21)

पिछले 20 (बीस) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्त्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों के विषय में क्रमशः आगे बताया गया है।

18.0 ऊर्जा सीलिंग मे छिद्र और रिसाव:

अपने मरीज की उपचार की जरूरतों का मूल्यांकन करने और उन रोगियों की उपचार की जरूरतों का आकलन करने के बाद, रोगी के क्षेत्र में ऊर्जावान दोषों का इलाज करने के लिए आप जिस तकनीक को काम करना चाहते हैं, वह है जो आप ऊर्जा उपचार के उपरांत भी सीलिंग मे छिद्र और रिसाव पाया जाना और उसको ठीक या मरम्मत करना।

औरिक ऊर्जा क्षेत्र मे उनकी परतों में शक्ति और अखंडता रोगी के ऊर्जावान स्वास्थ्य की आवश्यकता है और किसी भी प्रकार की चिकित्सा पद्धति के लिए एक आधार के रूप में है। ऊर्जा उपचार द्वारा सील क्षेत्र मे छिद्र और रिसाव को पुनः ठीक कर उसकी अखंड्ता को स्थापित करना है और उस ऊर्जा के क्षेत्र में ऊर्जा की हानि और भेद्यता को रोकता है, जो अन्यथा नहीं होगा।

छिद्र और रिसाव की सीलिंग आपके हाथों में से एक को उस क्षेत्र पर ले जाकर किया जाता है जहां से आप रिसाव या टीअर का पता लगाते हैं, जिस तरह से हाथों के पासिंग के समय अनुभव होता है। आपके द्वारा रोगी में किसी छिद्र और रिसाव को पता लगाए गए क्षेत्र को सील करने के लिए निम्न तरीको का उपयोग करना आवश्यक है:

पहले छिद्र या रिसाव पर अपने हाथों को से उसे खोजे या पकड़े, जिसे आप सील करना चाहते हैं। हाथों के पॉसिंग के समय शरीर के ऊपर 4 से 5 इंच ऊपर हथेलियां को एक ही सामान्य स्थिति में रखकर, जिसमे हथेलियां खुली और खिचाव (बजाय आराम से) फ्लैट हो और उंगलियों को एक साथ मिलाकर धीरे से आगे बढ़ाये।

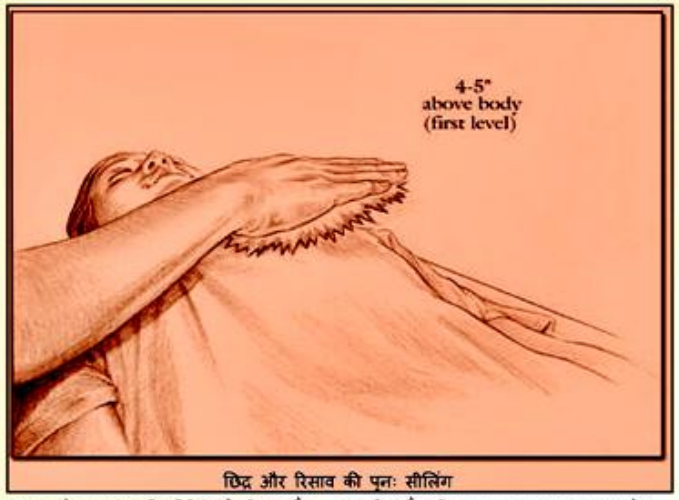

छिद्र और रिसाव की पुनः सीलिंग

अब उस क्षेत्र पर धीरे-धीरे आगे, पीछे अथवा गोलाई मे बढ़ाये, जहा पर आपको हाथों के पॉसिंग से रिसाव या टिअर का पता चला है। आपको अपने अनुभव से अक्सर आपको यह पता लगा जायेगा कि किस स्थान पर रिसाव या टिअर है उसे ठीक किया जाना है। आपके हाथ लगभग 2 इंच प्रति सेकेंड की रफ्तार से आगे चलना चाहिए-अगर यह बहुत धीमी या ज्यादा तेज हो जाता है तो यह तकनीक प्रभावी नहीं होगी।

सीलिंग मे छिद्र और रिसाव का अनुभव:

जब आप खुले संवेदनाओं का अनुभव करते है तब जैसे-जैसे-हाथों के पासिंग के दौरान आपके अपने हाथ आगे चले गए तो आपको रिसाव सील करते हुए बजाय एक अधिक सक्रिय भूमिका निभाते हुये, आप अपने हाथों को रिसाव पर वापस ले जाये और आपको रिसाव पर मोशन करते समय कल्पना करनी चाहिए कि आप द्वारा इसकी मरम्मत की जा रही है। उदाहरण के लिए-जैसे आप एक रिसाव को सील करने में अपने हाथों को ले जाते हैं, आपको यह करना और समझना चाहिए कि पहले औरिक फील्ड परत के क्षेत्र जिस पर रिसाव होता है, उसे बंद किया जा रहा है-उस समय ऊर्जा क्षेत्र जहां कमजोर या पतली परत है, उसे पूर्ण सामर्थ्य के साथ मरम्मत करने के लिये आप अपने हाथ को वहां ले जाय। आपको एरीक ऊर्जा परत की यह सीलिंग और मरम्मत करना चाहिए। आप ऊर्जा को अनुभव करे जैसे कि आपके हाथ से नीचे की परत में, इस तरह से रिसाव या टिअर की मरम्मत कर रहा हो। आपके हाथ में ऐसी ऊर्जा है,जो आपको विजुअलाइजिंग क्षमता के साथ मिलती है तथा इस तकनीक की प्रभावशीलता को प्रदान करती है और आपके दीमागी अंन्तर्चक्षु उस बिंदु पर मौजूद फ़ील्ड परत को सील करने के लिए आपके हाथ से बहने वाली ऊर्जा को निर्देश देती है। जब आप एक रिसाव को सील करते हैं, तो आपको इस तरह औरिक क्षेत्र मे उपलब्ध अन्य रिसाव के छिद्रों को बंद किया जाता है, ताकि खुली गंदगी या रिसाव होने के बजाय इसे सील कर दी जाए। आपके दिमाग की आंखों में, दृश्य के साथ संयोजन में, इसी तरह क्षतिग्रस्त क्षेत्र के मरम्मत के लिए हाथ में उपलब्ध ऊर्जा ही काम करती है। जब आप उन्हें इस तरह से अपने हाथ को ऊपर रखकर मरम्मत करते हैं, तब उन लीक या रिसाव को सील कर देते हैं, उन्हें चिकना कर देते हैं और उन्हें मिला देते हैं। आप अपने सचेत जागरूकता के साथ उन्हें बंद करे ताकि क्षेत्र की मरम्मत एक अभिन्न हो और ऊर्जा रिसाव अब बच न सके। इस तरह से एक रिसाव या टिअर को सील करने के लिए, आम तौर पर केवल एक या दो मिनट लगते हैं। लीक या छिद्र आम तौर पर आभा की पहली परत पर होती है, सामान्यतः जोड़ों के निकट होती है और रिसाव भी अक्सर आभा की निम्नतम परत में ही मौजूद होते हैं। इन मामलों में, ऊपर वर्णित प्रक्रिया पर्याप्त होगी। ऐसे भी उदाहरण हो सकते हैं-जहां औरिक क्षेत्र में रिसाव आगे स्थित हो (आभा के उच्च स्तर में) - जो पहली परत पर शुरू होता है, लेकिन फिर दूसरी, तीसरी या अधिक ऊंची परतों तक भी फैलता है। इन मामलों में, आपको ये प्रत्येक परत पर रिसाव या टिअर को सील करना होगा। पहली परत को सील करने के बाद, अपने हाथों को शरीर से धीरे-धीरे बाहर ले जाने के बाद, प्रत्येक परत पर जब रिसाव होता है तो ऊपर दी गई उचित तकनीक का उपयोग करके उस परत को सील कर देता है। उदाहरण के लिए-शरीर के 4 से 5 इंच ऊपर हथेली के द्वारा पहली परत को सील करने के बाद, आपको हाथ को एक अतिरिक्त 4 से 5 इंच ऊपर ले जाने की आवश्यकता हो सकती है और अगले स्तर पर रिसाव बंद करने की मुहर लगा सकते हैं। आपको तीसरे स्तर तक 4 से 5 इंच और आगे बढ़ाना पड़ सकता है, तब इस पर भी रिसाव बंद हो सकता है । आपको अपने अंतर्ज्ञान और अनुभव से यह पता चल जाएगा क्या ऐसे रिसाव ऊपरी परत पर मौजूद हैं और कितने उच्च परत पर उन्हे सील होना चाहिए। आँख के अंतर्ज्ञान और अनुभव से किसी भी स्तर तक विस्तार कर इस तरह के रिसाव को बंद करना संभव है जो आमतौर पर पाए जाते हैं। आपको अपने सहज ज्ञान युक्त मार्गदर्शन के लिए अंन्तर्चक्षु खुले होने चाहिए, यह तब होता है जब आप आवश्यकतानुसार उच्च स्तर की परतों को सील करना चहते हैं। लीक और टिअर को सील करने के लिये आम तौर पर एक समय में केवल एक हाथ का उपयोग किया जाता है। यद्यपि आप दाहिने हाथ का उपयोग करना चुन सकते हैं, पहले, यहां तक कि थोड़ा अभ्यास के साथ दोनों हाथ भी इस तकनीक पर समान रूप से प्रभावी हो सकते हैं। लीक और टिअर की सील अंन्तर्चक्षु खुले होने के साथ किया जाता है। इस तकनीक का उपयोग करते हुए, अपने रोगी के ऊर्जा क्षेत्र में आपके सभी छिद्र और रिसाव को सील करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

चक्रों पर छोटे रिसाव कभी-कभी होते हैं यह चक्र नहीं है, यह एक दुर्लभ घटना है, जो इस क्षेत्र की परत या चक्र से ऊपर की परतों में पायी जाती है। यह भावनात्मक या मानसिक तनाव का एक और परिणाम है जब इस का सामना करना पड़ता है, तो मरहम की तरह रिसाव को हमेशा सील करना चाहिए।

शेष अगले अंक भाग-22 में पढ़े...